

Written by अक्नीश पांडेय
Thursday, 14 June 2018 13:24

: 00 00 00000 00000 0000 00000 00, 00 00 0000 00 000000000 : 00000000 00000 00
000000000 0000 000000 00000 00 000000000 000000000 00 00000 00000 00 0000000 : 0000
00000000-00000000 0000000 000000 00000 0000000000000 00 0000 00 00000000000 00000, 0000
00 00000000000 :

0000000 0000000000

0000000000 : लोकसेवा आयोग के पूर्व तथा वर्तमान अध्यक्ष सीबीआई जांच के दायरे में हैं। परीक्षा समिति के अध्यक्ष तथा सदस्य लोकसेवा आयोग के अध्यक्ष तथा सदस्य ही होते हैं, जब प्रतियोगी छात्रों के लोकसेवा आयोग की शुचिता तथा नष्टिठा पर से वशुवास ही समाप्त हो गया है। तथा इस तथुय से अवगत होकर ही राज्य सरकार सीबीआई जांच करा रही है फरि इनके रहते शुचिता पूर्ण परीक्षा कैसे संभव है।

लोकसेवा आयोग द्वारा आयोजति पीसीस 2016 की मुख्य परीक्षा सतिम्बर 2016 में हुई थी। जिसका परणाम अभी तक नहीं आया है। हालत यह है कि इस परीक्षा में गलत प्रश्नों तथा गलत उत्तर के खासा वविाद खड़ा हो चुका है। परीक्षार्थी बेहाल है, और दौड़-भाग में जुटे हैं ताकि कोई रासु ता नक्लि पाये, सरकार और आयोग के कनों पर जूं रेंग सके। लेकिन सरकार के अपनी राजनीतकि शतरंत की गोटियों के बड्डिाने और हटाने से ही फुरसत नहीं है। मजा ले रहा है लोकसेवा आयोग, ताकि जतिना भी हो सके, मामले के और भी जू यादा लटकया जा सके। उसका मकसद इस परीक्षा के वविाद का नसुतारण करने नहीं, बल्कि उसे लम्बति रखना ही है।

यदि PCS 2016 के परणाम आने के बाद PCS 2017 की परीक्षा होती हो उन बेरोजगार युवकों के नौकरी का अवसर प्राप्त होता जो अभी तक बेरोजगार हैं। दोनों मुख्य परीक्षा में हजार से अधिक कमन छात्र हैं और नौकरी में हैं। लोकसेवा आयोग प्रत्येक PCS की प्रारम्भकि परीक्षा में 10 से 12 गलत प्रश्न रखता रहा है इस बार भी यही कथिा है। मामला कोर्ट में गया है, कोर्ट के भी यह समझने की आवशुयक्ता है कि प्रदेश की सबसे प्रतष्ठिति संस्था से बार बार यह लगती क्यों हो रही है? सही तो यह है कि नुयायालय के आयोग के प्रश्न बनाने वाले तथा उत्तर बनाने वाले कसुपरट के वरिद्ध अनुशासनात्मक कर्यवाही करनी चाहती। ताकि इसकी पुनरावृत्ति न हो।

गड़बड़ियां तब से शुरू होने लगीं, जब से लोकसेवा आयोग में अनलि यादव का अध्यक्ष पद पर पदार्पण हुआ। उनकी करतूतों के चलते ही प्रतियोगी छात्रों के कमहीने का भी समय मुख्य परीक्षा हेतु नहीं मलिा, और हालत आज भी सुधरने के बजाय लगातार बदतर ही होती जा रही है। मुख्य परीक्षा में 2 वषिय के चार पेपर, सामान्य अध्ययन के दो पेपर, सामान्य हदि तथा नबिन्ध के पेपर होते हैं, आखरि 20 दनि में छात्र कैसे कर सकता है तैयारी। सरकार बदलने के बाद यह उम्मीद जगी थी नुयाय मलिगा कन्तिु आयोग की मनमानी आज भी उसी तरह जारी है जैसे पूर्व सरकार में जारी थी।

00000 0000 00000 00000 00 000000 000000 00 0000 00 00000000 000000, 00 000000 00000000 00000 00
000000 000000000 :-

[000000 00 00000 00 00000000 00 000000000 00000 00000 000000000000](#)

क प्रकर से लोकसेवा आयोग के अध्यक्ष तथा सदस्य छात्रों से सीबीआई जांच क बदला ले रहे हैं तथा सरकार बेबस दखि रही है

सरकार से अनुरोध है क पहले भष्ट अध्यक्ष/सदस्यों के उनकेपद से हटा, उसकेबाद ही कोई परीक्षा सम्पन्न करा। यह सम्भव है क सरकार जल्दी भरती चाहती हो तो इसक विकल्प है क 2 वर्ष केला लोकसेवा आयोग उत्तर प्रदेश के सभी परिक्षाओं के सम्पन्न कराने के जम्मेदारी संघ लोकसेवा आयोग के सौप दें। संविधान में यह प्रावधान है क केन्द्र सरकार तथा राज्य सरकार के संसुतुतिपर किसी भी लोकसेवा आयोग के भरती संघ लोकसेवा आयोग के दी जा सकती है।

यह मांग उन छात्रों के है जिन्होंने पूर्ववर्ती सरकार केवरिद्ध आवाज उठाई, 48 बार लाठी खाये, 3 बार गोली चली, सैकड़ों छात्र जेल ग। यहां तक क छात्रों के 5 हजार क इनामी अपराधी तकघोषति किया गया। सरकार बदले इस उम्मीद से के वर्तमान सरकार में उनकेजायज मांग के सुना जा गा लेकिन 2 लाख ट्वीट लाखों मेल केबाद भी सरकार केकेई नरिणय न लेने पर छात्रों में वर्तमान सरकार केप्रति भी आक्रोश व्याप्त हो रहा है।